CLASS-10 ,HISTORY
NATIONALISM IN INDIA
भारत मे राष्ट्रवाद

1-प्रथम विश्व युद्ध और भारत मे राष्ट्रवाद -

अ-_भारत मे रक्षा खर्च मे तीव्र वृद्धि होना ।

ब-भारत मे रक्षा खर्च को पूरा करने के लिए कर मे तीव्र वृद्धि होना ।

स- कर मे तीव्र वृद्धि होने से वस्तुओं के दाम (मंहगाई) बढना।

द-जबरन भर्ती (अनिवार्य सैन्य भर्ती) से खेती के लिए मजदूरों की कमी होना ।

झ- सूखे और महामारी के कारण बहुत लोगो का मारा जाना ।

त-रूस की क्रांति का प्रभाव होना ।

प- मान्तेंगु चेम्सफोर्ड सुधार से लोगो मे नाराजगी होना ।

1-FIRST WORLD WAR AND NATIONALISM IN INDIA-

A-RISING (INCREASING) OF DEFENCE EXPENDITURE IN INDIA.
B-TO FULFILL DEFENCE EXPENDITURE BRITISH GOVT. INCREASED TAX ES IN INDIA,
C-INCREASING TAXES INCREASING INFLATIION OR PRICE OF GOODS ARE HIKE IN INDIA .
D-DUO TO FORCED RECRUTMENT SHORTAGE OF LABOUR IN RURAL AREAS FOR AGRICULTURE.
E-DUO TO EPEDMIC AND DROUGT LARGE NO, PEOPLE DEAD IN INDIA.
F-IMPACT OF RUSSIAN REVOLUTION .
G- DISAPPOINTED INDIAN IN MONTEGU-CHAMSFORD REFORM IN 1971.

PREPARED BY - MAHESH KUMAR SHUKLA ,TGT.SOST, K.V,RAEBARELI

२- भारत मे सत्याग्रह का विचार

अ-१९१५ मे गाँधी जी स्वदेश वापस लौटे।

ब- सत्याग्रह का विचार इस बात पर आधारित है
कि सत्य की जीत हमेशा होती है ।

स- सत्याग्रह का विचार ब्रिटिश शासन के विरोध का आदर्श विचार था ।
सत्याग्रह का विचार शुद्ध आत्मिक विचार था, नाकि शारीरिक ताकत का विचार था,

द-_भारत मे सत्याग्रह के तीन प्रयोग इस प्रकार है ,
पहला १९१६ मे चंपारण मे नील किसानो का आन्दोलन ।
दूसरा १९१७ मे खेड़ा (गुजरात) मे किसान आन्दोलन ।
तीसरा १९१८ मे अहमदाबाद मे कपड़ा मिल मजदूरों का आन्दोलन ।

2-IDEA OF SATAYAGARH IN INDIA-

A- GANDHIJI RETURN TO INDIA OR COME BACK TO INDIA IN 1915AD.
B-SATYAGARH IS POWER OF TRUTH AND NON VOILENCE.
C-IT WAS NOBEL METHOD OF WHICH GANDHI JI USE AGAINST THE BRITISH REPRESSION.-
D-THREE EXPERIMENT OF SATYAGARH IN INDIA-
I-IN 1916AD. CHAMPARAN INDIGO PEASANT IN INDIA.
II-IN 1917 AD. KHERA SATYAGARH IN GUJRAT.
III- IN 1918AD. AHAMDABAD COTTON FACTORY LABOUR STRIKE.
5-IT IS POWER OF POUR SOUL,AND IT IS NOT POWER OF PHYSICAL FORCE.

PREPARED BY - MAHESH KUMAR SHUKLA ,TGT.SOST, K.V,RAEBARELI

रोलेट एक्ट १९१९- इस कानून के अनुसार सरकार किसी भी व्यक्ति को बिना कारण या मुकदमा चलाए दो वर्ष तक जेल में कैद कर सकती थी ।

3-ROWLATT ACT 1919AD.

A-GOVT. TO ARREST AND DETAIN ANY PERSON OR POLITICAL LEADERS UP TO TWO YEARS WITHOUT ANY TRAIL OR REASON .

जलियांवाला बाग हत्याकांड १९१९-

अ 13 अप्रैल वैशाखी के दिन जलियांवाला बाग मे लोग सभा के लिए इक्कठा हुए थे ।

ब- सरकार अमृतसर मे मार्शलों लागू कर चुकी थी , जिसकी जानकारी शायद सभी लोगो को नही थी ।

स-सरकार सभा करने पर रोक लगा चुकी थी ।

द- जनरल डायर ने सभा स्थल पर फायरिंग शुरू करवा दी

झ- इस घटना मे हजारो लोग मारे गये और घायल हो गये ।

त- सभी राजनीतिक दलों और कांग्रेस ने सरकार के इस कार्य की निंदा की ।

4-JALLIANWALA BAGH MASSACRE 1919AD-

A-13 APRIL 1919AD AMRITSAR BASHAKHI FESTIWAL , SO MANY PEOPLE GATHERED IN JALLIANWALA BAGH.

B-BRITISH GOVT. IMPOSED MARTIAL LAW IN AMRITSAR. PUBLIC MEETING WERE NOT ALLOWED.

C-SO GENERAL DYER BRITISH OFFICER ISSUED FIRING ORDER IN PUBLIC MEETING .

D- ABOUT APPOX. 1000 PERSON WERE KILLED AND 1500 PEOPLE WERE WOUNDED.

E- ALL THE POLITICAL LEADER CRITISIZE JALLIANWALA BAGH MASSACRE .

PREPARED BY - MAHESH KUMAR SHUKLA ,TGT.SOST, K.V,RAEBARELI

<u>असहयोग आन्दोलन (१९२०-२२) का प्रभाव (परिणाम)-</u>

अ-१९२१-२२ के दौरान विदेशी वस्तुओं का आयात घटकर आधा रह गया ।

ब-स्वदेशी वस्तुओं का उत्पादन तेजी से बढ़ा ।

स-बहुत लोगो ने उपाधियों को सरकार को वापस कर दिया ।

द-विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार लोगो ने किया ।

ज- हजारो छात्रो और अध्यापको ने सरकारी स्कूल को छोड़ दिया था।

झ-लोगो ने शराब की दुकानों पर धरना दिया, और विधान परिषद् चुनाव का बहिष्कार किया ।

<u>5- IMPACT OF NON COOPERATION MOVEMENT -1920AD.-</u>

A- FOREIGN IMPORTS ARE HALVES DURING 1921-22 AD.
B-INCREASE THE PRODUCTION OF INDIAN TEXTILES.
C-TITLE AND AWARDS WERE TO BE SURRENDERD .
D-GOVT. SERVICES AND FOREIGN MADE GOODS WERE TO BOYCOTTED.
E-STUDENTS IN SCHOOL CAME OUT IN THOUSANDS .
F-TEACHERS AND SO MANY GOVT. EMPLOYEE WERE RESIGND AND LAWERS GAVE UP PRACTICES.
G- LIQUOR SHOPS WERE PICKTED , AND COUNCIL ELECTION WERE BOYCOTTED .

<u>स्वराज और बागान मजदूर -</u>

अ- स्वराज आन्दोलन को बागान मजदूरों ने अलग अर्थ में समझा ।

ब-हजारो बागानमजदूरों ने बिना अनुमति लिए घरजाने के लिए बागान छोड़ दिया ।स- बिना अनुमति के बागान छोड़ने के कारण पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया , फिर वे कभी अपने घर नही पहुच पाए ।

<u>6- SWARAJ AND PLANTATION WORKERS –</u>

A- PLANTATION WORKERS INTERPRETED SWARAJ IN THEIR OWN WAYS . AS THIS WAS NOT PERMISSIBLE UNDER RULES. .
B- THOUSANS OF WORKERS LEFT TEA GARDENAND FOR HOME.
C- THEY WERE CAUGHT BY THE POLICE AND NEVER REACHED THEIR HOME

<u>PREPARED BY - MAHESH KUMAR SHUKLA ,TGT.SOST, K.V,RAEBARELI</u>

<u>गांधीजी ने असहयोग आन्दोलन को वापस क्यों लिया था ? -</u>

उत्तर प्रदेश के चौरीचौरा में प्रदर्शन कर रही किसानो की भीड़ ने १९२२ में पुलिस थाने में आग लगा दी, जिससे २२ पुलिसकर्मी जलकर मारे गये ।

गांधीजी ने असहयोग आन्दोलन को हिंसक होता जानकर वापस लेने का फैसला लिया ।

<u>7- WHY GANDHIJI WITHDRAW NON COOPERATION MOVEMENT –</u>

WHEN IN 1922 THE PEOPLE BURNT DOWN THE POLICE STATION AT CHAURI –CHURA IN U.P.WHERE 22 POLICE MAN WERE BURNT ALIVE , SO GANDHI JI FELT THAT IF THE MOVEMENT WAS ALLOWED TO BE BECAME VIOLENT. SO GANDHIJI WITHDRAW NON COOPERATION MOVEMENT.

<u>स्वराज पार्टी</u> - १९२३ में मोतीलाल नेहरु और चितरंजन दास ने मिलकर स्वराज पार्टी की स्थापना की । स्वराज पार्टी ने विधान परिषद् चुनाव मे भाग लिया । जिसमे स्वराज पार्टी ने १०१ सीट में से ४२ सीटो पर विजय पायी ।

<u>8-SWARAJ PARTY</u>- IT LED TO THE GROWTH OF SWARAJ PARTY UNDER THE LEADERSHIP OF C.R.DAS, MOTILAL NEHRU IN 1923AD.THEY WERE IN FAVIOUR OF PARTOCIPATING COUNCIL ELECTION. THEY WON 42 SEATS OUT OF 101 CENTRAL LEGISLATIVE ASSEMBLLY.

<u>PREPARED BY - MAHESH KUMAR SHUKLA ,TGT.SOST, K.V,RAEBARELI</u>

<u>साइमन आयोग १९२७</u> -

अ -ब्रिटिश सरकार १९२७ में साइमन की अध्यक्षता मे १९१९ के कानून की समीक्षा के लिए गठित किया गया था ।

ब-कांग्रेस सहित भारत के सभी लोगो ने इस आयोग का बहिष्कार किया ,क्योंकि कोई भी भारतीय इस का सदस्य नहीं था

स-आयोग के सदस्यों का भारत मुंबई पहुचने पर साइमन वापस जाओ के नारे और काले झंडे दिखाए गये ।

<u>9-SIMON COMMISSION 1927AD.-</u>BRITISH GOVTM APPIONTED A COMMISSION IN 1927 TO REPORT DISSCUSS ABOUT THE ACT OF 1919AD. MR. SIMON WAS ITS CHAIRMAN .

THE PEOPLE OF INDIA AND CONGRESS PARTY BOYCOTTYED THIS COMMSSION . SIMON GO BACK AND SHOW BLACK FLAG .

THERE WAS NO INDIAN MEMBER IN IT.

<u>कांग्रेस का पूर्ण स्वतंत्रता का लाहौर अधिवेशन १९२९-</u>

<u>अ-</u>१९२९ में जवाहरलाल नेहरु की अध्यक्षता में कांग्रेस का पूर्ण स्वतंत्रता का लाहौर में अधिवेशन हुआ जिसमे कांग्रेस ने पहली बार पूर्ण स्वराज को अपना उद्देश्य घोषित किया ।

ब-यह तय किया गया की प्रतिवर्ष 26 जनवरी को देश भर में स्वतंत्रता दिवस के रूप मे मनाया जायेगा ।

१९३० में गांधीजी के नेतृत्व में कांग्रेस ने सविनय अवज्ञा आन्दोलन शुरू किया गया ।

<u>PREPARED BY - MAHESH KUMAR SHUKLA ,TGT.SOST, K.V,RAEBARELI</u>

10-LAHORE SESSION OF CONGRESS 1929AD.-

A- DEMAND FOR COMPLETE INDEPENDENCE AS AIM OF CONGRESS 1929AD. UNDER THE PRESIDENTSHIP OF J.L.NEHRU.

B- CONGRESS SHOULD LAUNCHED CIVIL DISOBIDENCE MOVEMENT UNDER THE LEADER SHIP OF M.K. GANDHI.

C-IT WAS ALSO DECIDED TO OBSERVED EVERY 26 JANUARY AS THE INDEPENDENCE DAY ALL OVER THE COUNTRY YEAR AFTER YEAR.

सविनय अवज्ञा आन्दोलन १९३०-३४ अथवा नमक सत्याग्रह या दांडीमार्च -

अ-गांधीजी ने सविनय अवज्ञा आन्दोलन १९३०-३४__की शुरूआत नमक कानून तोड़कर की क्योंकि उस समय नमक बनाना गैरकानूनी था ।

ब-गांधीजी ने सविनय अवज्ञा आन्दोलन १९३०_दांडीमार्च की शुरूआत ११मार्च १९३० साबरमती आश्रम से ७८ सदस्यों के साथ दांडी के लिए यात्रा से की ।

स-, जो कि ६ अप्रैल १९३० को समुद्र के पानी से नमक बनाकर कानून तोड़कर की थी ।

द-सविनय अवज्ञा आन्दोलन के अन्यकार्यक्रम जैसे वन कानून तोड़ना , चौकीदारी टैक्स नहीं देना और जगह-जगह प्रतीकात्मक रूप से नमक बनाना ।

ज-ब्रिटिश शासन के खिलाफ जगह-जगह लोगो ने प्रदर्शन किया ।

11-CIVIL DISOEBDENCE MOVEMENT 1930-34AD. OR SALT MARCH (DANDI MARCH)-

A-GANDHI JI STARTED CIVIL DISOBIDENCE MOVEMENT BY VIOLATING OR BREAKING SALT LAW.

B- IN 1930AD M HE STARTED FROM SABARMATI ASHARAM TO DANDI .

C- HE MADE SALT FROM SEAWATER AT DANDI AND BREAK THE SALT LAW .

D-HE STARTED SALT OR DANDI MARCH IN 11 MARCH 1930AD. WITH ASSOCIATED 78 MEMBERS AND IT WAS COMPLETED 240 MILES DISTANCES ON 6 APRIL 1930AD.

E- OTHER ASPECT OR PROGRAMMEE OF CIVIL DISOBEDIENCE MOVEMENT-LIKE AS BREAKING OF FOREST LAW. REFUSED TO PAY TAXES AND BOYCOTTED FOREIGN GOODS.

F- BRITISH GOVT. TO DECLARED CONGRESS PARTY ILLLEAGAL ORGNISATION .G- PEOPLE DEMONSTRATED ALL OVER THE COUNTRY AGAINST BRITISH GOVT. **PREPARED BY - MAHESH KUMAR SHUKLA ,TGT.SOST, K.V,RAEBARELI**

<u>सविनय अवज्ञा आन्दोलन १९३०-३४ की सीमाए-</u>

अ- दमित वर्ग के नेता डॉ. बी. आर. अम्बेडकर ने दलितों के लिए पृथक् निर्वाचन की मांग की ।

- डॉ. बी. आर. अम्बेडकर हिन्दूसमाज की उच्च जातियो के वर्चस्व से प्रभावित थे । १९३२ में पूना पैक्ट के तहत वे दलितों के लिए संयुक्त निर्वाचन पर सहमत हुए , अर्थात् दलितों के लिए आरक्षित सीट पर सभी लोग निर्वाचक होगे ।

ब- मुस्लिम नेता मोहम्मद इकबाल मुस्लिम के पृथक् निर्वाचन की मांग के साथ-साथ मुस्लिम लोगो के राजनीतिक हितो की सुरक्षा के लिए विशेष उपाय की मांग कर रहे थे। मोहम्मद इकबाल का मानना था , कि अल्पसंख्यक मुस्लिम लोगो को हमेशा बहुसंख्यक हिन्दू लोगो की दया पर निर्भर रहना होगा ।

इस प्रकार हम कह सकते है कि सविनय अवज्ञा आन्दोलन में समाज के कुछ वर्ग (दलित और मुस्लिम) सकिय रूप से भाग नही ले रहे थे ।

<u>12-LIMITATION OR LUKYARM OF CIVIL DISOBIDENCE MOVEMENT –</u>

<u>A</u>- THE LEADER OF DEPRESSED CLASS DR. B.R. AMBEDKAR DEMANDED SEPRATE ELECORATE FOR S.C. (DALIT).

B-BECAUSE HE FEARED DOMINANCE OF UPPER CAST HINDUS.

BY POONA PACT 1932AD HE AGREED TO HAVE JOINT ELECTROATES WITH THE HINDUS PROVIDED SEATS FOR S,C, WERE FIXED.

C- THE MUSLIM LEADER MOHD. IQBAL DEMAND SEPRATE ELECORATE FOR MUSLIM AND PROVIDED TO SAFE GUARD FOR POLITICAL INTEREST OF MUSLIMS.

D- MAJORITY OF HINDUS ,THE MUSLIM WOULD HAVE LITTLE TO WINING THE SEATS .

E-AS SUCH THEY (MUSLIM) WOULD ALWAYS BE AT THE MERCY OF HINDUS.

SO WE SAID SOME GROUP OF SOCIETY (MUSLIM AND DALIT) DONOT PARTICIPATE ACTIVILY IN CIVIL DISOBIDENCE MOVEMENT.

<u>PREPARED BY - MAHESH KUMAR SHUKLA ,TGT.SOST, K.V,RAEBARELI</u>

भारतमाता का चित्रण (भारतमाता की छवि) -

अ-अबिन्द्रनाथ टैगोर ने भारतमाता का चित्रणमानवीय रूप में किया ।

ब- उन्होंने भारतमाता को देवत्व के रूप में चित्रण किया था ।

स- उन्होंने भारतमाता के दो रूप के चित्र बनाये , पहला भारतमाता वीर वेश में जो हाथ में त्रिशूल लिए शेर और हाथी के पीछे खड़ी है जो कि शक्ति का प्रतीक है

दूसरा चित्र जिसमे भारतमाता सन्यासी के रूप में है , जिसके एक हाथ में अनाज माला और दुसरे हाथ में पुस्तक है ।

ये दोनों चित्र उन्होंने १९०५ में बनाये थे ।

13-IMAGE OF BHARAT MATA-

A- ABINDRA NATH TAGORE PAINTED IMAGE OF BHARAT MATA AS AN ASCETIC FIGURE .

B- HE IS CALM COMPOSED DIVINE AND SPRITUAL

.

C- SHE IS SHOWN WITH A TRISHUL , STANDING BESIDES A LION

AND AN ELEPHANT. WHICH IS SYMBOL OF POWER.

D-SECOND IMAGE OF BHARAT MATA IS SHOWN AS DISPENSING

LEARNING FOOD THE MALA IN ONE HAND . AND OTHER HAND

BOOK AND CROP. THIS IMAGE WAS PAINTED IN 1905 AD .

PREPARED BY - MAHESH KUMAR SHUKLA ,TGT.SOST, K.V,RAEBARELI

<u>घटनाचक्र या तिथिक्रम -</u>

14- **<u>DATE LINE CHART</u>**

1915AD- GANDHI REURN TO INDIA

1915AD- गांधीजी स्वदेश भारत वापस आये

1916AD-CAMPARAN INDIGO PEASANTS MOVEMENTS

1916AD- चम्पारण नील किसानो का सत्याग्रह

1917AD- KHERA SATYAGARH IN GUJRAT.

1917AD- खेड़ा (गुजरात) किसान सत्याग्रह

1918AD- AHEMDABAD COTTON FACTORY WORKERS SATYAGARH

1918AD-अहमदाबाद कपड़ा मिल मजदूर आन्दोलन

1919AD- ROWLATT ACT,

1919AD- रोलेट एक्ट

1919AD- JALLIANWALA BAGH MASSACRE

1919AD- जलियांवाला बाग हत्याकांड

1920-22 AD- NON COOPRATION MOVEMENT

1920-22 AD- असहयोग आन्दोलन

1922AD- GANDHIJI WITHDRAW COOPRATION MOVEMENT

1922AD- गांधीजी ने_असहयोग आन्दोलन को वापस

1923AD- S WARAJ PARTY FOUNDED BY C.R. DAS AND MOTILAL NEHRU

1923AD- स्वराज पार्टी की स्थापना की

1927AD- SIMON COMMISSOIN COME TO INDIA

1927AD- साइमन आयोग भारत आया

1928AD- NEHRU REPORT 1928AD- नेहरु रिपोर्ट **<u>PREPARED BY -</u>**

<u>MAHESH KUMAR SHUKLA ,TGT.SOST, K.V,RAEBARELI</u>

1929AD- LAHORE CONGRESS SESSION PASSED FULL INDEPENDENCE RESOLUTION.

1929AD-कांग्रेस का पूर्ण स्वतंत्रता का लाहौर अधिवेशन

1930AD- 26 JANUARY FIRST TIME CONGRESS CELEBRATED INDEPENDENCE DAY IN INDIA

1930AD- 26 जनवरी को देश भर में स्वतंत्रता दिवस के रूप मे मनाया गया ।

1930-34 AD – GANDHI JI STARTED CIVIL DISOBEDENCE MOVEMENT

1930-34 AD – सविनय अवज्ञा आन्दोलन

1930AD – FIRST ROUND TABLE CONFRENCE IN LONDON CONGRESS BOYCOTT.

1930AD – प्रथम गोलमेज सम्मलेन

1931AD- SECOND ROUND TABLE CONFRENCE IN LONDON

1931AD- दूसरा गोलमेज सम्मलेन

1931AD-,GANDHI –IRWIN PACT ON BEHALF OF CONGRESS GANDHI JI PARTICIPATED

1931AD- गाँधी इरविन समझौता

1932AD- THIRD ROUND TABLE CONFRENCE IN LONDON CONGRESS BOYCOT

1932AD- तीसरा गोलमेज सम्मलेन

, 1932AD- POONA PACT GANDHI JI AND DR. B.R. AMBEDKAR

1932AD- पूना पैक्ट

PREPARED BY - MAHESH KUMAR SHUKLA ,TGT.SOST, K.V,RAEBARELI